Rajasthan Junior Legal Officer - 2019
(Paper-III-Evidence, Limitation & Interpretation)

1. **Under which Section of Indian Evidence Act, the provisions relating to admissibility of electronic records are given ? /भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत इलेक्ट्रोनिक रिकार्ड की ग्राह्यता से सम्बन्धित उपबन्ध दिये गये हैं ?**
   (1) Section/ धारा - 65A
   (2) Section/ धारा -65A & 65B
   (3) Section/ धारा - 66
   (4) Section/ धारा 67

   Ans [2]

2. **Which of the following is not a public document ?/ निम्नलिखित में से कौन लोक (दस्तावेज) अभिलेख नहीं है ?**
   (1) Public records kept in any state of any private documents/ किसी राज्य में रखे गये प्राइवेट दस्तावेजों के लोक अभिलेख
   (2) Judgement of Court/न्यायालय का निर्णय
   (3) Arrest-Warrant/ गिरफ्तारी - वारन्ट
   (4) Will/ वसीयत

   Ans [4]

3. **Under which Section of the Indian Evidence Act, the court can itself compare the handwriting of a person? /भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत न्यायालय स्वयं किसी व्यक्ति के हस्थलेख की तुलना कर सकता है ?**
   (1) Section-72
   (2) Section-73
   (3) Section - 74
   (4) Section - 75

   Ans [2]

4. **The public documents can be proved by / लोक अभिलेखों को साबित किया जा सकता है**
   (1) certified copies/ प्रमाणित प्रतिलिपियों द्वारा
   (2) evidence of the person who has written the certified copy/ प्रमाणित प्रतिलिपि लिखने वाले व्यक्ति की साक्ष्य द्वारा
   (3) oral evidence/ मौखिक साक्ष्य द्वारा
   (4) All of these/ ये सभी

   Ans [1]

5. **Secondary evidence includes / द्वितीयक साक्ष्य में सम्मिलित है**
   (1) Certified copies of the original documents / मूल दस्तावेज की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ
   (2) Copies made from the original by mechanical process/ मूल से यान्त्रिक प्रक्रिया द्वारा बनायी गयी प्रतिलिपियाँ
   (3) Copies made, compared from the original/ मूल से मिलान की या तुलना की गयी प्रतिलिपियाँ
   (4) All of these/ ये सभी

   Ans [4]

6. **How much old digital signature on electronic records, court can presume as valid? / कितने वर्ष पुराने इलेक्ट्रोनिक रिकार्ड पर डिजीटल हस्ताक्षर की वैधता के बारे में न्यायालय उपधारणा कर सकता है?**
   (1) 2 years/2 वर्ष
   (2) 3 years /3 वर्ष
   (3) 5 years/5 वर्ष
   (4) 12 years/12 वर्ष

   Ans [3]

7. **'A' sells a horse to 'B' and verbally warrants him sound. 'A' gives 'B' a paper in these words, "bought of 'A' horse for ₹ 1,000" 'B' may prove the verbal warranty. This evidence is/. 'क' एक घोड़ा 'ख' को बेचता है और मौखिक वारन्टी देता है । 'ख' को 'क' इन शब्दों को लिखकर एक कागज देता है "क से ₹1000/- में एक घोड़ा खरीदा " 'ख' मौखिक गारन्टी साबित कर सकेगा । यह साक्ष्य :**
   (1) Admissible/ ग्राह्य है ।
   (2) Inadmissible/ अग्राह्य है ।
   (3) Irrelevant/ विसंगत है ।
   (4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

   Ans [1]

8. **In which Section of the Indian Evidence Act, 'Burden of proof has been defined ? /भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत 'सबूत का भार परिभाषित किया गया है ?**
   (1) Section-100
   (2) Section-101
   (3) Section-102
   (4) Section-103

   Ans [2]

9. **'A' is charged with travelling on a railway without ticket. The burden of proof that he had a ticket will lie on / 'क' पर आरोप है कि उसने रेल यात्रा बिना टिकट की है । यह साबित करने का भार कि उसके पास टिकट था, किस पर होगा**
   (1) Railway Administration/ रेलवे प्रशासन पर
   (2) Ticket Checker/ टिकट परीक्षक पर
   (3) 'A'/'क' पर
   (4) Prosecution/ अभियोजन पर

   Ans [3]

10. **A sues B for land of which B is in possession and which as A asserts, was left to A by the will of C, B's father. To whom the burden of proof will lie ? /'ख' पर क उस भूमि के लिए वाद लाता है जो ख के कब्जे में है और जिसके बारे में क जोर देकर कहता है कि वह ख के पिता ग की विल द्वारा क को दी गयी थी । सबूत का भार किस पर होगा ?**
    (1) A/ क

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(2) B/ ख
(3) C/ ग
(4) All of these/ इन सभी पर

Ans [1]

11. In which Section of the Indian Evidence Act, provisions relating to Electronic Agreements are given?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत इलेक्ट्रोनिक करार से सम्बन्धित प्रावधान दिये गये हैं ?
(1) Section - 85
(3) Section-85B
(2) Section-85A
(4) Section - 86

Ans [2]

12. Presumption as to abetment of suicide by a married woman under Section- 113 A, of the Evidence Act /साक्ष्य अधिनियम की धारा 113A किसी विवाहित स्त्री द्वारा आत्महत्या के दुष्प्रेरण के बारे में उपधारणा
(1) A conclusive proof / एक निश्चयात्मक सबूत है
(2) The court may presume/ न्यायालय उपधारणा कर सकता है ।
(3) The court shall presume/ न्यायालय उपधारणा करेगा ।
(4) The prosecution has to prove/ अभियोजन को साबित करना पड़ेगा

Ans [2]

13. In which of the following cases, the court may presume under Section-114 of Evidence Act? / साक्ष्य अधिनियम की धारा 114 के अन्तर्गत निम्नलिखित किन मामलों में न्यायालय उपधारणा कर सकता है?
(1) That a man who is in possession of stolen goods soon after the theft is either the thief or has received the goods knowing them to be stolen/ कि चुराये हुए माल पर जिस व्यक्ति का चोरी के शीघ्र उपरान्त कब्जा है, जब तक कि वह अपने कब्जे का कारण न बता सके, या तो चोर है या उसने माल को चुराया हुआ जानते हुए प्राप्त किया है ।
(2) That an accomplice is unworthy of credit, unless he is corroborated in material particulars. /कि सह - अपराधी विश्वसनीयता के अयोग्य है, जब तक कि तात्विक विशिष्टियों में उसकी संपुष्टि नहीं होती।
(3) That judicial and official acts have been regularly performed./ कि न्यायिक और पदीय कार्य नियमित रूप से संम्पादित किए गये हैं ।
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

14. What is presumption as to absence of consent in cases of rape under Section- 114A of the Indian Evidence Act ? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 114A के अन्तर्गत बलात्कार के मामलों में सम्मति न होने के बारे में क्या उपधारणा है ?
(1) A conclusive proof/ एक निश्चयात्मक सूबत है ।
(2) The court may presume/ न्यायालय उपधारणा कर सकता है
(3) The court shall presume/ न्यायालय उपधारणा करेगा ।
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं ।

Ans [3]

15. The question is whether a man is alive or dead, and it is proved that he has not been heard of for seven years, by those who would naturally have heard of him if he had alive. To whom the burden of proof will lie ? /प्रश्न यह है कि कोई मनुष्य जीवित है या मर गया है, और यह साबित किया गया है कि उसके बारे में सात वर्ष से उन्होंने कुछ नहीं सुना है, जिन्हें उसके बारे में यदि वह जीवित होता तो स्वाभाविकतया सुना होता । सबूत का भार किस पर होगा ?
(1) The person who affirms it/ वह व्यक्ति जो पुष्टि करता है, उस पर ।
(2) State/ राज्य पर ।
(3) The person who does not affirm it./ उस व्यक्ति पर जो पुष्टि नहीं करता
(4) All of these/ इन सभी पर

Ans [1]

16. Who among the following is is a competent witness under Section-118 of Indian Evidence Act? /भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 118 के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन सक्षम साक्ष्य है ?
(1) A child unable to understand questions put to him./ एक बालक जो पूछे गये प्रश्नों को समझने में असमर्थ है
(2) A lunatic able to understand questions put to him./ एक पागल जो पूछे गये प्रश्नों को समझने में समर्थ है।
(3) A person unable to understand questions put to him due to extremely old age./ एक व्यक्ति जो पूछे गए प्रश्नों को समझने में अति वृद्धावस्था के कारण असमर्थ है ।
(4) A person who is unable to understand questions put to him due to disease./ एक व्यक्ति जो पूछे गए प्रश्नों को समझने में बीमारी के कारण असमर्थ है ।

Ans [2]

17. Which Section of the Indian Evidence Act protects communications during marriage ? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की कौन सी धारा विवाहित स्थिति के दौरान की गई संसूचनाएँ संरक्षित करती है ?
(1) Section-122
(2) Section-123
(3) Section-124
(4) Section-125

Ans [1]

18. Can a police officer be compelled to disclose the source of information relating to commission of an offence? /क्या कोई पुलिस अधिकारी किसी अपराध से सम्बन्धित सूचना प्राप्त करने के स्रोत को प्रकट करने के लिए बाध्य किया जा सकता है ?
(1) Yes/ हाँ
(2) No/ नहीं

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(3) Depends on his discretion/ उसके विवेक पर निर्भर करता है ।
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं ।

Ans [2]

19. 'A' a client says to his advocate 'B', "I have committed murder of 'C'." I wish you to defend me. Whether advocate 'B' may disclose the aforesaid communication in the court? /'क' एक पक्षकार अपने वकील 'ख' से कहता है कि मैने 'ग' की हत्या की है । मैं चाहता हूँ कि आप मेरा बचाव करें। क्या वकील 'ख' उपरोक्त संसूचना को न्यायालय में प्रकट कर सकता है ?

(1) Yes/ हाँ
(2) No/ नहीं
(3) May disclose on the request of wife of 'C'/ ग की पत्नी की प्रार्थना पर प्रकट कर सकता है.
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [2]

20. In which Section of the Indian Evidence Act estoppel has been defined?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में विबन्धन को परिभाषित किया गया है ?

(1) Section 115
(2) Section-120
(3) Section-122
(4) Section-124

Ans [1]

21. In which Section of the Indian Evidence Act, Examination-in-chief, Cross-examination and Re-examination have been defined? /भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में मुख्य परीक्षा, प्रति - परीक्षा तथा पुनः परीक्षा को परिभाषित किया गया है ?

(1) Section - 135
(2) Section-136
(3) Section-137
(4) Section-138

Ans [3]

22. The examination of a witness, subsequent to the cross examination by the party who called him shall be called /किसी साक्षी की परीक्षा, प्रति - परीक्षा के पश्चात, उस पक्षकार द्वारा जिसने उसे बुलाया था, कहलायेगी

(1) Examination-in-chief/ मुख्य परीक्षा
(2) Re-examination/ पुन: परीक्षा
(3) Additional cross-examination/ अतिरिक्त प्रति- परीक्षा
(4) Re-cross examination/ पुनः प्रति परीक्षा

Ans [2]

23. According to Section - 138 of the Indian Evidence Act, what shall be the order of examination ?/भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 138 के अनुसार, परीक्षा का क्रम क्या होगा

(1) Examination-in-chief, cross-examination and Re-examination/ मुख्य परीक्षा, प्रति - परीक्षा और पुन: परीक्षा
(2) Cross-examination, Re-examination and Examination-in-chief/ प्रति - परीक्षा, पुनः परीक्षा और मुख्य परीक्षा
(3) Examination-in-chief, Re-examination and cross-examination/ मुख्य परीक्षा, पुनः परीक्षा और प्रति- परीक्षा
(4) No any prescribed order./ कोई क्रम निर्धारित नहीं

Ans [1]

24. How many number of witnesses will be required for the proof of any fact? /किसी तथ्य को साबित करने के लिए कितने साक्षी अपेक्षित होंगे ?

(1) No particular number/ कोई निश्चित संख्या नहीं ।
(2) At least on eye witness/ कम से कम एक चक्षुदर्शी साक्ष्य
(3) Two witnesses/ दो साक्षी
(4) Three witnesses/ तीन साक्षी

Ans [1]

25. In which Section of the Indian Evidence Act, leading question has been defined ?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत सूचक प्रश्न को परिभाषित किया गया है ?

(1) Section 140
(2) Section-141
(3) Section-142
(4) Section-144

Ans [2]

26. When leading questions may be asked ? /सूचक प्रश्न कब पूछे जा सकते हैं ?

(1) In cross-examination/ प्रति - परीक्षा में
(2) In chief-examination./ मुख्य परीक्षा में
(3) In Re-examination/ पुनः परीक्षा में
(4) Can be asked in any examination. / किसी भी परीक्षा में पूछे जा सकते हैं ।

Ans [1]

27. Under Section-146 of the Evidence Act, a witness could be asked questions during cross-examination /साक्ष्य अधिनियम की धारा 146 के अन्तर्गत प्रति- परीक्षा के दौरान एक साक्षी से प्रश्न पूछे जा सकते हैं :

(1) To test his veracity/ उसकी सत्यवादिता परखने के लिए ।
(2) To discover who he is and what is his position in life./ यह पता लगाने के लिए कि वह कौन है और जीवन में उसकी क्या स्थिति है ।
(3) To shake his credit by injuring his character./ उसके शील को दोष लगाकर उसकी विश्वसनीयता को धक्का पहुँचाने के लिए।
(4) All of these / ये सभी ।

Ans [4]

28. When a person summoned to produce a document, and he produces the document then / जब किसी व्यक्ति को कोई दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समन किया जाता है और वह दस्तावेज पेश कर देता है तब

(1) He becomes a witness/वह एक साक्षी हो जाता है ।

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(2) He is cross-examined by both the parties / उसे दोनों पक्षकारों द्वारा प्रति परीक्षण किया जाता है ।
(3) He is cross-examined with the permission of court./उसे न्यायालय की अनुमति से प्रति- परीक्षण किया जाता है ।
(4) He does not becomes a witness and cannot be cross-examined unless and until he is called as a witness. /वह साक्षी नहीं हो जाता है और जब तक वह साक्षी के रूप में बुलाया नहीं जाता, उसकी प्रति- परीक्षा नहीं की जा सकती है ।

Ans [4]

29. Which Section of the Indian Evidence Act talks about Hostile witness? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की कौन सी धारा 'पक्षद्रोही साक्ष्य' की बात करती है ?
(1) Section-152
(2) Section-153
(3) Section-154
(4) Section-156

Ans [3]

30. Which Section of the Indian Evidence Act, provides provisions for refreshing memory?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की कौन सी धारा स्मृति ताजा करने से सम्बन्धित प्रावधान बताती है ?
(1) Section-155
(2) Section -158
(3) Section-160
(4) Section-159

Ans [4]

31. When Limitation Act, 1963 came into force ?/ परिसीमा अधिनियम, 1963 किस तारीख को प्रवृत्त हुआ था ?
(1) 26th January, 1964/26 जनवरी, 1964
(2) 1st January, 1964/1 जनवरी, 1964
(3) 15th January, 1964/15 जनवरी, 1964
(4) 1st May, 1964/1 मई, 1964

Ans [2]

32. Under which section of the Limitation Act, 1963 "Period of Limitation" has been defined ? /परिसीमा अधिनियम, 1963 की किस धारा के अन्तर्गत "सीमा की अवधि" को परिभाषित किया गया है ?
(1) Section - 2 (c)/धारा 2 (ग)
(2) Section - 2 (d)/ धारा 2 (घ)
(3) Section - 2 (h)/ धारा 2 (ज)
(4) Section-2(j)/ धारा 2 (ञ)

Ans [4]

33. A witness is asked whether he was not dismissed from a post for dishonesty. He denies it. Evidence is offered to show that he was dismissed for dishonesty./ एक साक्षी से यह पूछा जाता है कि वह किसी पद से बेईमानी के लिए पदच्युत नहीं किया गया था । वह मना करता है । यह दर्शित करने के लिए कि वह बेईमानी के लिए पदच्युत किया गया था साक्ष्य दिया जाता है ।
(1) The evidence is admissible./ यह साक्ष्य ग्राह्य है ।
(2) The evidence is not admissible./ यह साक्ष्य ग्राह्य नहीं है ।
(3) The evidence is circumstantial./ यह परिस्थितिजन्य साक्ष्य है ।
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं ।

Ans [2]

34. Provisions of Section-4 of Limitation Act relating to expiry of prescribed period, when court is closed are applicable to /परिसीमा अधिनियम की धारा 4 के प्रावधान, विहित काल के अवसान से सम्बन्धित, जब न्यायालय बन्द हो तब किस पर लागू होते हैं :
(1) Suit/ वाद
(2) Appeal/ अपील
(3) Application/ आवेदन
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

35. Which Section of the Limitation Act, 1963 provides provisions relating to 'Condonation of delay'? / परिसीमा अधिनियम 1963 की किस धारा में विलम्ब या देरी को माफ करने से सम्बन्धित प्रावधान दिये हैं ?
(1) Section-4
(2) Section - 5
(3) Section - 6
(4) Section - 8

Ans [2]

36. Which among the following is not a legal disability under Section-6 of the Limitation Act?/निम्नलिखित में से क्या धारा 6 परिसीमा अधिनियम के अन्तर्गत विधिक निर्योग्यता नहीं है ?
(1) Imprisonment/ कारावास
(2) Idiocy/ जड़ता
(3) Minority/ अवयस्कता
(4) Insanity/ पागलपन

Ans [1]

37. Whether a court can grant extension of period of limitation under Sec.-5 of the Limitation Act, 1963 on the ground of sufficient cause in case of an application under Order 21 of the Civil Procedure Code? / क्या आदेश 21 व्यवहार प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत आवेदन में पर्याप्त कारण के आधार पर धारा 5 परिसीमा अधिनियम, 1963 के अधीन न्यायालय समय सीमा में वृद्धि स्वीकृत कर सकता है ?
(1) No/ नहीं
(2) Yes/ हाँ
(3) With the permission of High Court/ उच्च न्यायालय की अनुमति से
(4) With the consent of both the parties/ उभय पक्ष की सहमति से

Ans [1]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

38. **What is the period of limitation for suits relating to contract? /संविदा से सम्बन्धित वादों में समय-सीमा क्या है ?**
(1) One year/ एक वर्ष
(2) Three years/ तीन वर्ष
(3) Five years/ पाँच वर्ष
(4) Seven years/ सात वर्ष

Ans [2]

39. **Under Section 2 (7) of Limitation Act, 1963 'suit' includes/ परिसीमा अधिनियम 1963 की धारा 2 (ठ) के अन्तर्गत 'वाद' में सम्मिलित हैं**
(1) Appeal/ अपील
(2) Application/ आवेदन
(3) Revision/ पुनरीक्षण
(4) None of these/ इनमे से कोई नहीं

Ans [4]

40. **In which Section of the Limitation Act, 1963 it is provided that in computing the period of limitation for appeal, review or revision the time requisite for obtaining the copy of the decree or order appealed shall be excluded? /परिसीमा अधिनियम, 1963 की किस धारा में प्रावधान है कि अपील, पुनर्विलोकन या पुनरीक्षण के लिए परिसीमा काल की गणना में डिक्री या आदेश की प्रतिलिपि प्राप्त करने के लिए अपेक्षित समय-सीमा को अपवर्जित कर दिया जायेगा ?**
(1) Section-12(1)
(2) Section-12(2)
(3) Section 13
(4) Section 14

Ans [2]

41. **In which Section of the Limitation Act, 1963 provisions relating to exclusion of time in cases where leave to sue or appeal as a pauper is applied?/ भारतीय परिसीमा अधिनियम, 1963 की कौन सी धारा के अन्तर्गत उन दशाओं में समय का अपवर्जन किया जाना उपबन्धित है जिनमें अकिंचन के रूप में वाद लाने या अपील करने के लिए आवेदन किया गया है ?**
(1) Section 11
(2) Section 12
(3) Section 13
(4) Section-14

Ans [3]

42. **of the Provisions of Section-15 Limitation Act, 1963 do not apply to /परिसीमा अधिनियम 1963 की धारा 15 के प्रावधान किस पर लागू नहीं होते :**
(1) Suit/ वाद पर
(2) Application for execution of a decree/ एक डिक्री के निष्पादन के आवेदन पर
(3) Appeal/ अपील पर
(4) All of these/ ये सभी

Ans [3]

43. **Under Section-14 of the Limitation Act, 1963, the time of proceedings bona fide in court without jurisdiction. is excluded. What kind of jurisdiction intended in this Section? /परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 14 के अन्तर्गत बिना अधिकारिता वाले न्यायालय सद्भावना पूर्वक की गयी कार्यवाही में लगे समय का अपवर्जन होता है। इस धारा में कौन सी अधिकारिता का आशय है ?**
(1) Pecuniary/ आर्थिक
(2) Territorial/ प्रादेशिक
(3) Regarding subject matter/ विषय वस्तु से सम्बन्धित
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

44. **What is the period of limitations to file suit for possession of immovable property ?/ स्थावर सम्पत्ति के कब्जे के सम्बन्ध में वाद लाने हेतु समय-सीमा क्या है ?**
(1) 1 year/1 वर्ष
(2) 3 years/3 वर्ष
(3) 12 years/12 वर्ष
(4) 30 years/30 वर्ष

Ans [3]

45. **What is the period of limitation for a suit to recover possession of immovable property conveyed or bequeathed in trust and afterwards transferred by the by the trustee for a valuable consideration?/ न्यास के रूप में हस्तांतरित या वसीयत की गयी और तत्पश्चात न्यासी द्वारा मूल्यवान प्रतिभलार्थ अन्तरित की गयी जंगम सम्पत्ति के कब्जे के प्रत्युद्धरण हेतु वाद की समय सीमा क्या है ?**
(1) Three years/ तीन वर्ष
(2) Six years/ छः वर्ष
(3) Nine years/ नौ वर्ष
(4) Twelve years/ बारह वर्ष

Ans [*]

46. **What is the period of limitation for a suit by a mortgage for foreclosure? /बन्धकदार द्वारा पुरोबन्ध के लिए वाद की समय-सीमा क्या है ?**
(1) Three years/ तीन वर्ष
(2) Twenty years/ बीस वर्ष
(3) Thirty years/ तीस वर्ष
(4) Forty years/ चालीस वर्ष

Ans [3]

47. **What is the period of limitation for an application to set aside a decree passed ex-parte? /किसी एक पक्षीय पारित डिक्री को अपास्त कराने के लिए आवेदन की समय सीमा क्या है ?**
(1) Fifteen days/ पन्द्रह दिन
(2) Thirty days/ तीस दिन
(3) Sixty days/ साठ दिन
(4) Ninety days/ नब्बे दिन

Ans [2]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

Linking Laws
Link Life with Law

: 773 774 6465
www.LinkingLaws.com

Comprehension Detail
All State Judiciary Exam

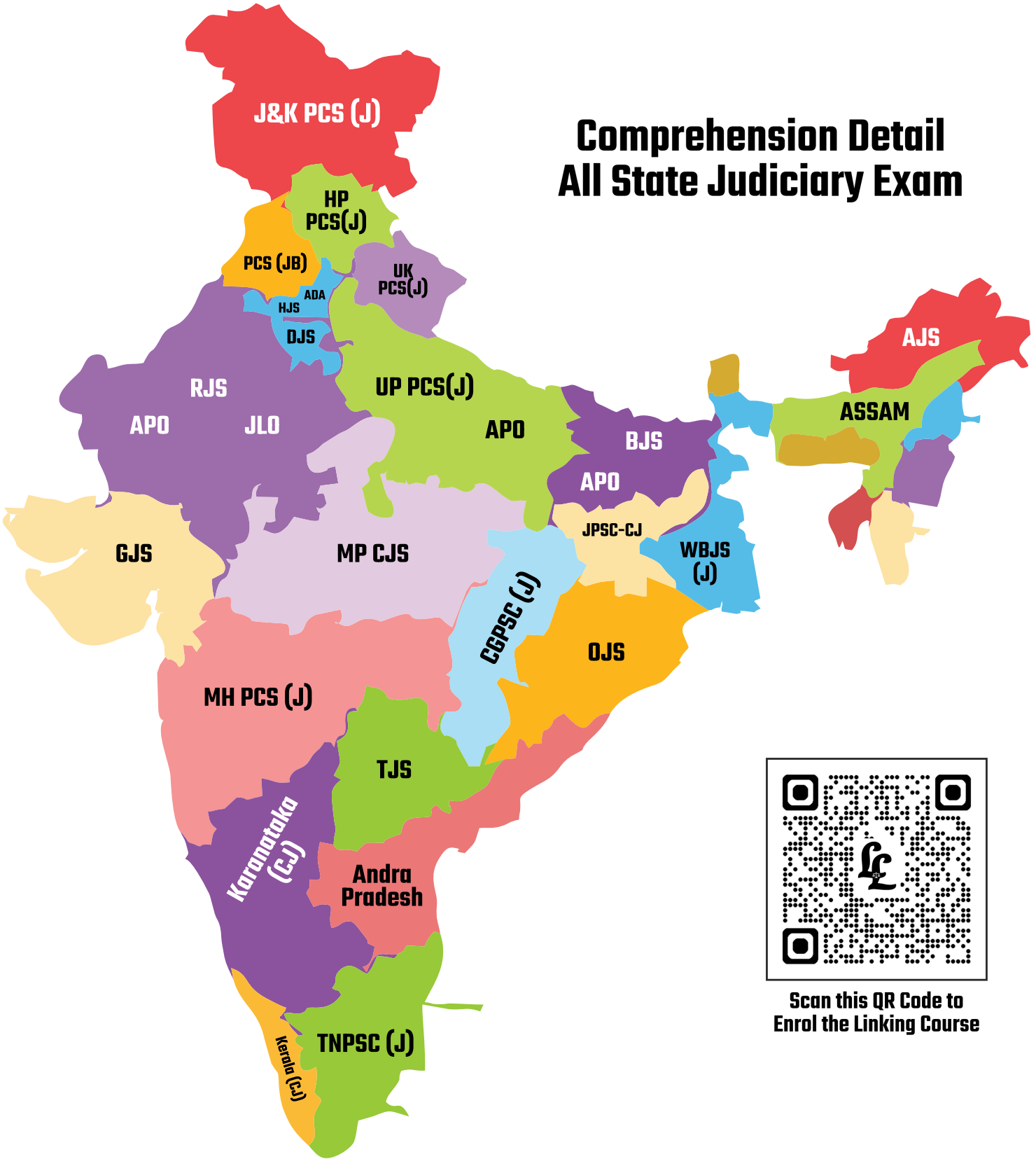

Scan this QR Code to Enrol the Linking Course

Click the state which you want to get all information related judiciary exams.

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

48. In which Section of Limitation Act, 1963 acquisition of easement by prescription has been enumerated ? / परिसीमा अधिनियम 1963 की किस धारा में सुखाधिकारों का चिरभोग द्वारा अर्जन उपबन्धित किया गया है ?

(1) Section - 25
(2) Section - 26
(3) Section - 27
(4) Section - 28

Ans [1]

49. What is the period of limitation to prefer an appeal against a decree or order before the High Court?/ परिसीमा अधिनियम के अन्तर्गत एक डिक्री या आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील करने की समय-सीमा क्या है ?

(1) 60 days/60 दिन
(2) 90 days/90 दिन
(3) 120 days/120 दिन
(4) 180 days/180 दिन

Ans [2]

50. What will be the period of limitation of any suit for which no period of limitation is provided in the limitation. Act, 1963?/ जहाँ किसी वाद को दायर करने के लिए परिसीमा अधिनियम 1963 के अन्तर्गत कोई समय-सीमा नहीं दी गयी है वहाँ उसकी समय सीमा क्या होगी ?

(1) One year/ एक वर्ष
(2) Two years/ दो वर्ष
(3) Three years/ तीन वर्ष
(4) Six years/ छः वर्ष

Ans [3]

51. Which Section of the Limitation Act, 1963 provides provisions relating to fraud or mistake ? /परिसीमा अधिनियम 1963 की कौन सी धारा कपट या भूल से सम्बन्धित प्रावधान बताती है ?

(1) Section-15
(2) Section-16
(3) Section 17
(4) Section-18

Ans [3]

52. What is meant by "ejusdem generis"? /सजातीय से तात्पर्य है

(1) The other kind/ अन्य प्रकार
(2) From different kind/ अन्य प्रकार से
(3) The same kind/ उसी प्रकार
(4) All of these/ उपरोक्त सभी

Ans [3]

53. What do you understand by "Casus Omissus" ? /केसस ओमिसस (casus omissus) से आप क्या समझते हैं ?

(1) Courts have no right to fill up the gaps of the statutes./ न्यायालयों को संविधियों में कमियों की पूर्ति करने का अधिकार नहीं है ।
(2) It is better to recognise than not to recognise./ अमान्य से मान्य करना अच्छा है ।
(3) A statute should be read as a whole./ संविधि को उसके सम्पूर्ण रूप में पढ़ा जाना चाहिए ।
(4) The Special Act shall not be preferred over general law./ विशेष अधिनियम साधारण विधि पर प्रभावी नहीं रहेगा

Ans [1]

54. What is meaning of "Noscitur a socilis" ? /"Noscitur a socilis" (साहचर्येण ज्ञायते) नोसिटर ए सोसिलिस का क्या अर्थ है ?

(1) Ignorance of facts is excusable but ignorance of law is not excusable/ तथ्यों का ज्ञान नहीं होना तो क्षम्य है परन्तु कानून के ज्ञान से अनभिज्ञ होना क्षम्य नहीं है
(2) Belonging to same species/ सजाति अर्थात् उसी प्रकार का होना
(3) Knowing by association/ सहचर्य से जानना
(4) All of these/ ये सभी

Ans [3]

55. Doctrine of colourable legislation means /छद्म विधायन के सिद्धान्त का क्या अभिप्राय है ?

(1) What cannot be done directly cannot be done indirectly/ जो प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जा सकता वह अप्रत्यक्ष रूप से भी नहीं किया जा सकता
(2) What can be done directly cannot. be done indirectly/ जो प्रत्यक्ष रूप से किया जा सकता है वह अप्रत्यक्ष रूप में नहीं किया जा सकता
(3) What can be done indirectly cannot be done directly/ जिसे अप्रत्यक्ष रूप से किया जा सकता है उसे प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जा सकता
(4) All of these/ ये सभी

Ans [1]

56. Who has the power to interpret the statutes ? /संविधियों के निर्वचन की शक्ति किसमें निहित है ?

(1) Parliament/ संसद
(2) Court/ न्यायालय
(3) State Legislature/ राज्य विधायिका
(4) State Council/ राज्य परिषद

Ans [2]

57. What do you understand with "ut res magis valeat quam pereat" ? /अट रिस मैजिस वैलियट कम् पेरियट (ut res magis valeat quam pereat) से आप क्या समझते हो ?

(1) It may rather become operative than null/ अमान्य से मान्य करना अच्छा है ।
(2) Court have no right to fill up the gaps of statutes./ न्यायालयों को संविधियों में कमियों की पूर्ति करने का अधिकार नहीं है
(3) It is compulsory to strictly comply with the provisions of statutes./ संविधियों के उपबन्धों को पालन करने की बाध्यता होती है

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(4) All of these/ ये सभी

Ans [1]

58. What is delegated legislation ? /प्रत्यायोजित विधान क्या है ?
(1) Law made by parliament/ संसद द्वारा बनाया गया कानून
(2) Decision given by the court/ न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय
(3) Law made by the authority to whom parliament has delegated the power / उस प्राधिकारी द्वारा निर्मित कानून जिसे संसद ने प्रत्यायोजन की शक्ति दी है।
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [3]

59. Which is the first case decided by the Supreme Court on delegated legislation ? /प्रत्यायोजित विधान पर उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्णीत सबसे पहला वाद कौन सा है ?
(1) King Emperor Vs. Banvari Lal Sharma/ किंग इम्परर बनाम बनवारी लाल शर्मा
(2) Re - Delhi Laws Act/ रि देलही लॉज ऐक्ट
(3) Yatindranath Vs. Bihar Rajya/ यतीन्द्रनाथ बनाम बिहार राज्य
(4) Harishankar Bagla Vs. State of Madhya Pradesh/ हरीशंकर बागला बनाम मध्य प्रदेश राज्य

Ans [2]

60. What is the first main principle of Interpretation? /निर्वचन का प्रथम प्रमुख सिद्धान्त कौन सा है?
(1) Literal rule of interpretation/ शाब्दिक निर्वचन का सिद्धांत
(2) Mischief rule/ रिष्टि का सिद्धान्त
(3) Golden rule/ स्वर्णिम नियम
(4) Harmonious interpretation/ सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन

Ans [1]

61. Who said, "codifying statute means to elaborately express the whole of the law on a specific subject matter, wherein the draftman makes the efforts to include all the rules of general law relating to former legal provisions and subjects"? / किसने कहा है, " संहिताकारी कानून का तात्पर्य किसी विशिष्ट वस्तु पर सम्पूर्ण कानून की विस्तारपूर्वक व्याख्या करना होता है, जिसमें प्रारुपकार द्वारा पूर्ववर्ती सभी विधिक प्रावधानों एवं विषयों से सम्बन्धित सामान्य कानून के नियमों को सम्मिलित करने का प्रयास किया जाता है" ?
(1) Maxwell/ मैक्सवेल
(2) Salmond/ सामण्ड
(3) Cooley/ कूले
(4) Lord Halsbury/ लार्ड हाल्सबरी

Ans [1]

62. 'Intra - vires' means / प्राधिकार के अधीन (Intra vires) से तात्पर्य है
(1) Act done without authority/ प्राधिकार के बिना किया गया कार्य
(2) Act done within the authority given by law / विधि के द्वारा दिये गये प्राधिकार के अन्तर्गत किया गया कार्य
(3) Act done on discretion/ विवेकानुसार किया गया कार्य
(4) None of these/ इनमे से कोई नहीं

Ans [2]

63. Amendment of Law means /विधि के संशोधन से तात्पर्य है
(1) law is amended/ विधि संशोधित है ।
(2) law is not in existence. / विधि अस्तित्व में नहीं है ।
(3) law is in existence./ विधि अस्तित्व में है ।
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [1]

64. Internal aids to interpretations are /संविधि निर्वचन के आन्तरिक सहायक हैं :
(1) Marginal notes/ पार्श्व टिप्पणी
(2) Headings/ शीर्षक
(3) Illustrations/ दृष्टान्त
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

65. A 'proviso' in an enactment means /एक संविधि में किसी 'परन्तुक' का अभिप्राय है
(1) an exception to the general rule/ सामान्य नियम का अपवाद
(2) is not an exception to the general rule/ सामान्य नियम का अपवाद नहीं है ।
(3) an explanation to the general rule/ सामान्य नियम की व्याख्या
(4) an analysis to the general rule/ सामान्य नियम का विश्लेषण

Ans [1]

66. Which among the following are external aids of interpretations? /निम्नलिखित में से कौन से निर्वचन के बाह्य सहायक हैं ?
(1) Dictionary and text books/ शब्दकोष और पाठ्य पुस्तकें
(2) Parliamentary proceedings and public policy/ संसदीय कार्यवाहियाँ और लोक नीति
(3) Judicial decisions and decisions of foreign courts/ न्यायिक निर्णय और विदेशी न्यायालयों के निर्णय
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

67. What do you mean by "delegatus non protest delegare ? डेलिगेट्स नान प्रोटेस्ट डेलिगेरे (delegatus non protest delegare) से आप क्या अर्थ समझते हैं ?
(1) Delegatee can further delegate its delegated powers /प्रत्यायोजिति अपनी प्रत्यायोजित शक्ति को पुनः प्रत्यायोजित कर सकता है ।
(2) Delegated powers further cannot be delegated./ प्रत्यायोजित शक्ति का और आगे प्रत्यायोजन नहीं हो सकता ।
(3) powers can be delegated to the executive. /प्रत्यायोजित शक्ति कार्यपालिका को प्रत्यायोजित की जा सकती है।

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(4) All of these /ये सभी

Ans [2]

68. What do you mean by 'Preamble'? /आप उद्देशिका का क्या अर्थ समझते हैं ?

(1) Description of the main objects of the statutes/ संविधियों के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन
(2) A preamble is an introductory statement/ प्रस्तावना एक परिचयात्मक कथन है
(3) Internal helper of interpretation of statute/ संविधि के निर्वचन का आन्तरिक सहायक है
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

69. Which among the following is external aid of interpretation of statutes? / निम्नलिखित में से कौन सा संविधियों के निर्वचन का बाह्य सहायक है ?

(1) Historical background / ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
(2) Preamble /उद्देशिका
(3) Definitions / परिभाषाएँ
(4) Proviso /परन्तुक

Ans [1]

70. From which date a statute will be deemed to have come into force ? /किस दिनांक से एक संविधि लागू समझी जायेगी ?

(1) From the date of passing of the bill by the legislature. / उस दिनांक से जिसको विधायिका ने बिल पास किया है ।
(2) From the date of publication in the Gazette./ गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से ।
(3) Depends on the discretion of the executive./ कार्यपालिका के विवेक पर निर्भर करता है ।
(4) From the date of introducing the bill in legislature./ विधायिका में बिल पेश करने की तिथि से

Ans [2]

71. Under which Article of Constitution of India provisions relating to doctrine of eclipse are provided? /भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में आच्छादन के सिद्धान्त से सम्बन्धित प्रावधान दिये गये हैं?

(1) Article - 13 (1)
(2) Article-14
(3) Article-15
(4) Article-13(2)

Ans [1]

72. Doctrine of 'pith and substance' relates to /सार और तत्त्व का सिद्धान्त सम्बन्धित है

(1) Interpretation of statutes to solve the problems of competing legislature in the same field./ एक ही क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के विषयों से सम्बन्धित विधायकों की समस्याओं को हल करने हेतु विधियों की व्याख्या
(2) Interpretation of statutes to solve the problems of waiver fundamental rights./ मौलिक अधिकारों से अधित्यजन की समस्याओं को हल करने के लिए विधियों का निर्वचन
(3) Interpretation of statutes to solve the problems of territorial nexus./ प्रादेशिक क्षेत्राधिकार से उत्पन्न समस्याओं को हल करने के लिए विधियों का निर्वचन
(4) All of these/ उपरोक्त सभी

Ans [1]

73. Which is not the internal aid for the interpretation of statutes among the following? / निम्नलिखित में से कौन सा सांविधिक निर्वचन में आन्तरिक सहायक नहीं है ?

(1) Title/ शीर्षक
(2) Punctuations/ विरामचिह्न
(3) Popular law journal/ प्रसिद्ध ला - जर्नल
(4) Schedules/ अनुसूची

Ans [3]

74. What do you understand with beneficial construction? / हितकारी व्याख्या से आप क्या समझते हो ?

(1) In case of criminal statute the benefit of doubt should be given to the accused/ आपराधिक विधि में संदेह का लाभ अभियुक्त को दिया जाना चाहिए ।
(2) If the words clearly omit certain cases, the words should not be strained to include them/ यदि शब्द स्पष्ट रूप से कुछ बातों को छोड़ते हैं तो उन्हें सम्मिलित करने के लिए शब्दों को खींचना नहीं चाहिए।
(3) A person cannot be taxed unless the language clearly imposes the obligation/ एक व्यक्ति पर कर
(4) Where the language fails to achieve the object, more extended meaning नहीं लगाया जा सकता जब तक भाषा स्पष्ट रूप से आरोपित न करे could be given to it to achieve the object if the language is susceptible to it/ यदि भाषा उद्देश्य को प्राप्त करने में असफल रहती है तो आशय को प्राप्त करने हेतु उसे विस्तारित अर्थ दिया जा सकता है, यदि भाषा में ऐसी संभावना हो

Ans [4]

75. In which case the Supreme Court laid down that the Parliament has the sovereign power to amend the Constitution but it has no power to demolish the basic structure of the Constitution ? /उच्चतम न्यायालय ने कौन से मामले में यह सिद्धांत प्रतिपादित किया है कि संसद को संविधान में संशोधन करने की सार्वभौम शक्ति प्राप्त है, परन्तु इसको संविधान के मूल ढाँचे को नष्ट करने की शक्ति नहीं है ?

(1) Maneka Gandhi Vs. Union of India AIR 1978 SC 597/ मेनका गांधी बनाम् यूनियन ऑफ इण्डिया ए.आई. आर. 1978 को 597
(2) Golaknath Vs. State of Punjab AIR 1967 SC 1643/ गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य ए.आई. आर. 1967 सुको 1643
(3) Keshwanand Bharti Vs. State of Kerala AIR 1973 SC 1461/ केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य ए.आई. आर. 1973 को 1461
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [3]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

76. Regarding the constitutionality of an Act, the presumption is that /किसी अधिनियम की संवैधानिकता के बारे में उपधारणा होती है कि
(1) it is constitutional/ यह संवैधानिक है
(2) it is unconstitutional/ यह असंवैधानिक है ।
(3) everything depends upon the purpose of the Act./ सब कुछ अधिनियम के प्रयोजन पर निर्भर करता है ।
(4) None of these/ उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans [1]

77. What do you understand by ratio- decidendi of a case? /एक वाद के विनिश्चय आधार से आप क्या समझते हैं ?
(1) The facts of the case/ वाद के तथ्य
(2) The legal reasoning of a case/ वाद का विधिक कारण
(3) The opening para of a case/ वाद का प्रथम पैराग्राफ
(4) An observation by a judge on some point of law./ किसी विधि के बिन्दु पर न्यायाधीश के विचार

Ans [2]

78. What is case law ? /वाद विधि क्या है ?
(1) Law made by the parliament/ संसद द्वारा निर्मित विधि
(2) Law made by the executive/ कार्यपालिका द्वारा निर्मित विधि
(3) Law made by the judiciary/ न्यायालयों द्वारा निर्मित विधि
(4) Law made by the executive and Law made by the judiciary both/ कार्यपालिका द्वारा निर्मित विधि और न्यायालयों द्वारा निर्मित विधि दोनों

Ans [3]

79. When there is no need of presumption?/ अवधारणा की आवश्यकता कब नहीं होती ?
(1) The intention of legislature is not clear./ जब विधायिका का आशय स्पष्ट न हो
(2) The intention of legislature is clear./ जब विधायिका का आशय स्पष्ट हो
(3) It can be used in any condition./ किसी भी स्थिति में इसका प्रयोग किया जा सकता है
(4) All of these/ ये सभी

Ans [2]

80. What is doctrine of stare decisis?/ स्टैर डेसाइसिस (stare decisis) का सिद्धान्त क्या है ?
(1) The doctrine of precedent/ पूर्वन्याय का सिद्धान्त
(2) The doctrine of pardon/ माफी का सिद्धान्त
(3) The doctrine of statutory interpretation/ संविधात्मक अर्थान्वयन का सिद्धान्त
(4) Existing law is inconsistent with fundamental right/ वर्तमान विधि मौलिक अधिकार से असंगत है

Ans [1]

81. What is Harmonious Construction? / सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन क्या है ?
(1) Various provisions of a statute should be read as a whole. /संविधि के विभिन्न प्रावधानों को समग्र रूप में पढ़ा जाना चाहिए ।
(2) Interpretation of the statute should be done in such a way that as far as there remains all the amongst possible harmony provisions. /संविधि का अर्थान्वयन इस प्रकार से किया जाना चाहिए कि यथासम्भव सभी उपबन्धों में सामंजस्य बना रहे
(3) Every provision of the statute should be read in such a way that various provisions are dependent on each other. /संविधि के प्रत्येक उपबन्ध को इस प्रकार पढ़ा जाना चाहिए कि विभिन्न उपबन्ध एक दूसरे पर निर्भर हैं ।
(4) All of these /ये सभी

Ans [2]

82. If there is any appearance of inconsistency between the schedule and specific provision, which will prevail ? /यदि अनुसूची और किसी विशेष प्रावधान में कोई विसंगति प्रतीत हो तो कौन सा अभिभावी होगा ?
(1) Schedule/ अनुसूची
(2) Provision/ प्रावधान
(3) Both Schedule and Provision will applicable as per situation/ अनुसूची और प्रावधान परिस्थिति अनुसार दोनों लागू होंगे
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [2]

83. Rule regarding construction of a welfare statute is that it should be /कल्याणकारी संविधि के निर्वचन के बारे में नियम है कि उसका निर्वचन
(1) constructed on the basis of consequences/ उसके परिणामों के आधार पर किया जाना चाहिए
(2) strictly constructed/ कठोरतापूर्वक करना चाहिए
(3) liberally constructed/ उदारतापूर्वक किया जाना चाहिए
(4) selectively constructed/ चुनिंदा किया जाना चाहिए

Ans [3]

84. What is the basic feature relating to interpretation of penal statutes? /दाण्डिक संविधियों के निर्वचन में आधारभूत बात कौन सी है ?
(1) Penal statutes should be strictly interpreted/ दाण्डिक संविधियों का निर्वचन कठोरता से किया जाना चाहिए
(2) In case of doubt, benefit should be given to the accused/ सन्देह की स्थिति में इसका लाभ अभियुक्त को दिया जाना चाहिए
(3) In absence of express provisions, accused cannot be punished/ स्पष्ट प्रावधानों के अभाव में अभियुक्त को दण्डित नहीं किया जा सकता
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

85. Which one of the following is the mischief rule ?/ निम्नलिखित में से कौन सा एक रिष्टि का नियम है?
(1) There must not be mischief in the court/ न्यायालय में किसी प्रकार की रिष्टि नहीं होना चाहिए

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(2) Judges should look at the mischief which the Act was passed to prevent./ न्यायाधीशों को उस रिष्टि को देखना चाहिए जिसे रोकने के लिए कानून बनाया गया था
(3) Judges should interpret the words as they see fit./ न्यायाधीशों को शब्दों का निर्वचन जैसा उन्हें उचित लगे वैसा करना चाहिए
(4) Judges should interpret the fact in issue only./ न्यायाधीशों को केवल विवादित तथ्य का ही निर्वचन करना चाहिए

Ans [2]

86. Which of the following is the best description of the 'Golden Rule' of interpretation of statutes? / निम्नलिखित में से संविधियों के निर्वचन के स्वर्णिम नियम की कौन सी सबसे अच्छी व्याख्या है ?
(1) Words must be given their plain and ordinary meaning unless to do so would produce an absurd result/ शब्दों को उनका सादा और सामान्य अर्थ दिया जाना चाहिए जब तक कि ऐसा करना निरर्थक परिणाम न हो
(2) Words must be given their ordinary meaning/ शब्दों को उनका सामान्य अर्थ दिया जाना चाहिए
(3) Words must be interpreted to find the mischief/ रिष्टि को खोजने के लिए शब्दों की व्याख्या की जानी चाहिए
(4) All of these/ ये सभी

Ans [1]

87. Where there is conflict between specific law and general law which law will be applicable?/ जब विशिष्ट विधि और सामान्य विधि के मध्य विरोधाभास हो तो कौन सी विधि लागू होगी ?
(1) Specific Law/ विशिष्ट विधि
(2) General Law/ सामान्य विधि
(3) Both Specific Law and General Law/ दोनों विशिष्ट विधि व सामान्य विधि
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [1]

88. What is the principle of 'pari materia' ?/ मात्रा के अनुसार (Pari materia) का सिद्धान्त क्या है ?
(1) All provisions of the statute should be given importance/ संविधि के सभी प्रावधानों को महत्त्व दिया जाना चाहिए
(2) It is compulsory to strictly comply with the provisions of such statutes/ ऐसी संविधियों के उपबन्धों को यथावत पालन करना अनिवार्य होता है
(3) The laws of the same matter on the same subjectmust be construed with reference to each other/ एक ही मामले में एक ही विषय पर कानूनों को एक दूसरे के संदर्भ में माना जाना चाहिए
(4) Two persons equally at fault/ दो व्यक्ति समान रूप से दोषी

Ans [3]

89. Which Article of Constitution of India relates with rule of law? / भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद विधि का शासन से सम्बन्धित है ?
(1) Article-13/ अनुच्छेद
(2) Article-14/ अनुच्छेद
(3) Article-19/ अनुच्छेद
(4) Article-20/ अनुच्छेद

Ans [2]

90. Which of the following is not rule of interpretation ? /निम्नलिखित में से कौन सा निर्वचन का नियम नहीं है ?
(1) Literal rule/ शाब्दिक नियम
(2) Mischief rule/ रिष्टि का नियम
(3) General rule/ सामान्य नियम
(4) Golden rule/ स्वर्णिम नियम

Ans [3]

91. Order VII of Civil Procedure Code deals with /आदेश 7 सिविल प्रक्रिया संहिता सम्बन्धित है
(1) Plaint/ वाद - पत्र
(2) Written statement/ लिखित कथन
(3) Counter claim/ प्रति दावा
(4) Set-off/ मुजराई

Ans [1]

92. Procedure for return of plaint is provided in / वाद को वापस करने से सम्बन्धित प्रक्रिया दी है
(1) Order VII, Rule 10 (1) / आदेश 7, नियम 10 (1)
(2) Order VII, Rule 10 (2) / आदेश 7, नियम 10 (2)
(3) Order VII, Rule 11/ आदेश 7, नियम 11
(4) Order VII, Rule 10 A / आदेश 7, नियम 10 क

Ans [2]

93. Provisions relating to written statement are provided in/ लिखित कथन से सम्बन्धित प्रावधान दिये हैं
(1) Order VI/ आदेश VI
(2) Order VII/ आदेश VII
(3) Order VIII/ आदेश VIII
(4) Order X/ आदेश X

Ans [3]

94. In which order and rule of C.P.C. the power of appellate court to transfer suit to the proper court has been given?/ सी.पी.सी. के किस आदेश और नियम में अपीलीय न्यायालय को उपयुक्त न्यायालय में वाद स्थानान्तरित करने की शक्ति दी गयी है ?
(1) Order VII, Rule 10 A/ आदेश 7, नियम 10 क
(2) Order VII, Rule 10 B/ आदेश 7, नियम 10 ख
(3) Order VII, Rule 12/ आदेश 7, नियम 12
(4) Order VII, Rule 13/ आदेश 7, नियम 13

Ans [2]

95. How much maximum time shall be given by the court to file written. statement from the date of service of summons ?/ लिखित कथन प्रस्तुत करने के लिए न्यायालय द्वारा अधिकतम कितना समय समन के तामील की तारीख से दिया जायेगा ?
(1) 60 days/60 दिन

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(2) 90 days/90 दिन
(3) 120 days/120 दिन
(4) 180 days/180 दिन

Ans [2]

96. What do you understand with reasonable classification?/ युक्तियुक्त वर्गीकरण से आप क्या समझते हो ?
(1) The classification must be based on intelligible differentia./वर्गीकरण बुद्धिमत्तापूर्ण विभेद पर आधारित होना चाहिए ।
(2) The differentia must have a rational relation to the object sought to be achieved by the Act. /बुद्धिमत्तापूर्ण विभेद का तर्कसंगत सम्बन्ध उस लक्ष्य से होना चाहिए जिसे अधिनियम प्राप्त करना चाहता है ।
(3) Both The classification must be based on intelligible differentia and The differentia must have a rational relation to the object sought to be achieved by the Act. /दोनों वर्गीकरण बुद्धिमत्तापूर्ण विभेद पर आधारित होना चाहिए व बुद्धिमत्तापूर्ण विभेद का तर्कसंगत सम्बन्ध उस लक्ष्य से होना चाहिए जिसे अधिनियम प्राप्त करना चाहता है ।
(4) None of these /इनमें से कोई नहीं

Ans [3]

97. Where a plaint does not disclose cause of action / जब किसी वादपत्र में वाद हेतुक नहीं दिया होता है तब
(1) It can be amended/ वादपत्र में संशोधन किया जा सकता है
(2) It can be rejected/ वादपत्र को खारिज किया जा सकता है
(3) It can be returned/ वादपत्र वापस किया जा सकता है
(4) It can sent to the defendant/ वादपत्र प्रतिवादी को भेजा जा सकता है

Ans [2]

98. As per Order VIII, Rule 6, particulars of set-off be given in /आदेश 8 नियम 6 के अनुसार मुजरा की विशिष्टियाँ दी गयीं है
(1) Written statement/ लिखित कथन में
(2) Plaint/ वाद - पत्र में
(3) Both Written statement and Plaint/ दोनों लिखित कथन में व वाद-पत्र में
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [1]

99. When any party from whom a written statement is required fails to produce the same within a fixed time before the court, /जब कोई पक्षकार एक वांछित समय में लिखित कथन प्रस्तुत करने में असफल रहता है तब
(1) The court may pronounce judgement./ न्यायालय निर्णय कर सकता है ।
(2) The court may make any order regarding the suit/ न्यायालय वाद से सम्बन्धित कोई आदेश पारित कर सकता है ।
(3) Both The court may pronounce judgement and The court may make any order regarding the suit/ दोनों न्यायालय निर्णय कर सकता है व न्यायालय वाद से सम्बन्धित कोई आदेश पारित कर सकता है
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं.

Ans [3]

100. In which order and rule of C.P.C. the provisions for verification of pleadings is provided? /सी. पी. सी. के किस आदेश एवं नियम में अभिवचन के सत्यापन से सम्बंधित प्रावधान दिये हैं ?
(1) Order VI, Rule 2/ आदेश 6, नियम 2
(2) Order VI, Rule 4/ आदेश 6 नियम 4
(3) Order VI, Rule 15/ आदेश 6, नियम 15
(4) Order VI, Rule 17/ आदेश 6, नियम 17

Ans [3]

101. Under which Section of C.P.C. appeal is barred against a consent decree ? /सी.पी.सी. की किस धारा के तहत सहमति से डिक्री के विरुद्ध अपील नहीं की जा सकती ?
(1) Section - 96 (1)
(2) Section-96 (3)
(3) Section - 96 (4)
(4) Section - 97

Ans [2]

102. In which order and rule of C.P.C. the plaint can be rejected? /सी.पी.सी. के किस आदेश और नियम के तहत वादपत्र खारिज किया जा सकता है ?
(1) Order VII, Rule 11/ आदेश 7, नियम 11
(2) Order VII, Rule 12 /आदेश 7, नियम 12
(3) Order VII, Rule 13 /आदेश 7, नियम 13
(4) Order VII, Rule 10 /आदेश 7, नियम 10

Ans [1]

103. What is correct in case of mortgage deed ?/ बन्धक विलेख के सम्बन्ध में क्या सही है ?
(1) Mortgage is the transfer of an interest in specific immovable property/ बन्धक एक विशिष्ट अचल सम्पत्ति में हित का स्थानान्तरण है
(2) In mortgage deed ownership is not transferred/ बन्धक विलेख में स्वामित्व का स्थानान्तरण नहीं है
(3) Principal amount and interest is mentioned in mortgage deed/ बन्धक विलेख में मूलधन और ब्याज का उल्लेख होता है
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

104. How many witnesses are required in a registered gift deed ? /एक पंजीकृत दान विलेख में कितने साक्षियों की आवश्यकता है ?
(1) One/ एक
(2) Two/ दो
(3) Three/ तीन
(4) Four/ चार

Ans [2]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

105. In the following, what is not included in conveyancing ?/ निम्नलिखित में से अभिहस्तान्तरण में क्या सम्मिलित नहीं है ?
(1) Mortgage deed/ बन्धक विलेख
(2) Lease deed/ पट्टा विलेख
(3) Will /वसीयत
(4) Sale deed /विक्रय विलेख

Ans [3]

106. For setting aside an ex-parte decree under C.P.C. Order IX, the affected party needs to file:/ सी. पी. सी. के आदेश 9 के अन्तर्गत एक पक्षीय डिक्री को अपास्त करने हेतु प्रभावित पक्षकार को आवश्यकता है
(1) an application./एक प्रार्थना पत्र की
(2) a fresh suit/ एक नया वाद दायर करने की
(3) a revision/ एक पुनरीक्षण की
(4) a review petition/ एक पुनर्विलोकन याचिका की

Ans [1]

107. What do you understand by 'conveyancing' ?/ अभिहस्तान्तरण से आप क्या समझते हो ?
(1) Drafting or framing of a document which is related to transfer of property/ दस्तावेज का प्रारूपण या रचना, जो सम्पत्ति अन्तरण से सम्बन्धित हो ।
(2) Prayer to court for transfer of a case/ वाद अन्तरण हेतु न्यायालय से प्रार्थना
(3) Writing an application for remedy/ उपचार के लिए आवेदन-पत्र लिखना
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [1]

108. When defendant may be called upon to furnish security for appearance?/ उपस्थित होने के लिए प्रतिभूति देने की माँग प्रतिवादी से कब की जा सकती है ?
(1) Left the local limits of the jurisdiction of the court/ न्यायालय की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं को छोड़ गया है ।
(2) Is about to abscond/ फरार होने वाला है।
(3) Has disposed of his property from the local limits of the jurisdiction of the court / अपनी सम्पत्ति को न्यायालय की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं से हटा चुका है।
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

109. Who is a receiver? / एक रिसीवर कौन है ?
(1) Agent of defendant/ प्रतिवादी का प्रतिनिधि
(2) Agent of plaintiff/ वादी का प्रतिनिधि
(3) Agent of plaintiff and defendant both/ वादी और प्रतिवादी दोनों का प्रतिनिधि
(4) Officer of the court/ न्यायालय का अधिकारी

Ans [4]

110. Under which order and rule temporary injunction can be granted by the court?/ न्यायालय द्वारा किस आदेश और नियम के अन्तर्गत अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकृत की जा सकती है ?
(1) Order XXXIX, Rule 1 /आदेश 39 नियम 1
(2) Order XXXIX, Rule 3 /आदेश 39 नियम 3
(3) Order XXXIX, Rule 5 /आदेश 39 नियम 5
(4) Order XXXIX, Rule 6/ आदेश 39 नियम 6

Ans [1]

111. Under Sec.-80 of C.P.C., a notice of how many days is required before institution of suit against the officers of the Government?/ सी.पी.सी. की धारा 80 के अन्तर्गत सरकारी अधिकारियों के खिलाफ वाद संस्थित करने हेतु कितने दिनों के नोटिस की आवश्यकता है
(1) Ninety days/ नब्बे दिन
(2) Sixty days/ साठ दिन
(3) Two months/ दो माह
(4) Three months/ तीन माह

Ans [3]

112. What do you understand by codicil ? /कोडिसिल (Codicil) से आप क्या समझते हैं ?
(1) An instrument which upholds the will written earlier./ एक दस्तावेज जो पूर्व में लिखी वसीयत की पुष्टि करता है
(2) An instrument which cancels a will/ एक दस्तावेज जो किसी वसीयत को रद्द करता है
(3) An instrument altering, explaining, adding to the will and forms part of the will./ एक दस्तावेज जो वसीयत में परिवर्तन करता है, उसकी व्याख्या करता है तथा वसीयत का भाग बन जाता है।
(4) An instrument which withdraws the will written earlier/ एक दस्तावेज जो पूर्वलिखित वसीयत को वापस लेता है

Ans [3]

113. In which order of the C.P.C. provisions relating to summary trial has been provided?/ सी.पी.सी. के किस आदेश के अन्तर्गत संक्षिप्त विचारण से सम्बन्धित प्रावधान दिये गये हैं ?
(1) Order 37/ आदेश 37
(2) Order 38/ आदेश 38
(3) Order 39/ आदेश 39
(4) Order 36/ आदेश 36

Ans [1]

114. In which court matters relating to matrimonial relief will be filled?/ वैवाहिक अनुतोष से सम्बन्धित मामले किस न्यायालय में दाखिल किये जायेंगे ?
(1) Civil Judge (Junior Division)/ सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ खण्ड)
(2) Civil Judge (Senior Division)/ सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड)
(3) District Court or Family Court/ जिला न्यायालय या परिवार न्यायालय
(4) High Court/ उच्च न्यायालय

Ans [3]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

115. Under Order XVIII, who has right to produce Evidence first?/ आदेश 18 के अन्तर्गत कौन साक्ष्य पहले प्रस्तुत करने के लिए अधिकृत है ?

(1) Plaintiff/ वादी
(2) Defendant/ प्रतिवादी
(3) Both Plaintiff and Defendant/ वादी व प्रतिवादी दोनों
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [1]

116. For whose examination, commission may be issued by the court under Order XXV of C.P. C. ?/ सी.पी.सी. के आदेश 25 के अन्तर्गत वे कौन से व्यक्ति हैं जिनकी परीक्षा के लिए न्यायालय द्वारा कमीशन निकाला जा सकता है ?

(1) Any person resident beyond the local limits of its jurisdiction./ अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमा से परे किसी भी व्यक्ति के लिए
(2) Any person who is about to leave such limits of its jurisdiction/ किसी भी व्यक्ति के लिए जो ऐसी सीमाओं को छोड़ने वाला है
(3) Any person in the service of Government who cannot attend. the court without detriment to the public service./ शासकीय सेवा के किसी भी ऐसे व्यक्ति को जो लोक सेवा को बाधित किए बिना हाजिर नहीं हो सकता
(4) All of these/ ये सभी

Ans [*]

117. Under Sec. - 148 A (5) of the C.P.C., a caveat shall not remain in force after expiry of/ सी. पी. सी. की धारा 148 क (5) के अन्तर्गत प्रस्तुत केविएट (caveat) कितने दिनों के बाद अस्तित्व में नहीं रहेगी :

(1) Sixty days/ साठ दिन
(3) Thirty days/ तीस दिन
(2) Ninety days/ नब्बे दिन
(4) Forty-five days/ पैंतालीस दिन

Ans [2]

118. 'A' residing in Delhi, published an article defamatory to 'B' at Jaipur. Where suit for defamation will be filed? / 'क' दिल्ली में रहता है, उसने 'ख' को बदनाम करने के लिए एक लेख जयपुर में प्रकाशित किया। मानहानि का वाद कहाँ दायर किया जायेगा?

(1) Delhi/ दिल्ली
(2) Jaipur/ जयपुर
(3) Either Delhi or Jaipur/ दिल्ली या जयपुर में कहीं भी
(4) In any court of India/ भारतवर्ष के किसी भी न्यायालय में

Ans [3]

119. In which circumstance the court can withdraw permission to sue as an indigent person? / किस परिस्थिति में न्यायालय निर्धन व्यक्ति के रूप में वाद लाने की अनुज्ञा वापस ले सकता है ?

(1) If he is guilty of improper conduct in the course of the suit./ यदि वह वाद के दौरान अनुचित आचरण का दोषी है ।
(2) It appears that his means are such that he ought not to continue to suit as an indigent person/ यदि यह प्रतीत होता है कि वादी के साधन ऐसे हैं कि निर्धन व्यक्ति के रूप में वाद चालू नहीं रहना चाहिए ।
(3) If he entered into an agreement with any other person who has obtained an interest in subject-matter of suit/ यदि उसने किसी अन्य व्यक्ति से करार किया है जिसने वाद की विषय-वस्तु से कोई हित प्राप्त कर लिया है।
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

120. Under which order of the Civil Procedure Code provisions relating to appeals to the Supreme Court has been provided ?/ सिविल प्रक्रिया संहिता के किस आदेश के अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय में अपील करने से सम्बन्धित प्रावधान दिये गये हैं ?

(1) Order XLIV/ आदेश 44
(2) Order XLV/ आदेश 45
(3) Order XLVI/ आदेश 46
(4) Order XLVII/ आदेश 47

Ans [2]

121. Under Order XXXII of C.P.C., who can file suit on behalf of minor? /सी.पी.सी. के आदेश - 32 के अन्तर्गत अवयस्क की तरफ से कौन वाद दायर कर सकता है ?

(1) Next friend of the minor /अवयस्क का वाद- मित्र
(2) Receiver appointed by the court / न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रापक
(3) Guardian appointed by the court /न्यायालय द्वारा नियुक्त संरक्षक
(4) Representative of the next friend of minor. /अवयस्क के वाद - मित्र के प्रतिनिधि द्वारा

Ans [1]

122. Which is considered as the best evidence ?/ कौन सा सबसे अच्छा साक्ष्य समझा जाता है ?

(1) Primary evidence/ प्राथमिक साक्ष्य
(2) Real evidence/ वास्तविक साक्ष्य
(3) Secondary evidence/ द्वितीयक साक्ष्य
(4) Hearsay evidence/ अनुश्रुत साक्ष्य

Ans [1]

123. Principle of 'falsus in uno falsus in omnibus' is/ एक बात में मिथ्या तो सब बात में मिथ्या का सिद्धान्त है

(1) Rule of law/ विधि का नियम
(2) Rule of caution/ सावधानी का नियम
(3) Not applicable in India/ भारतवर्ष में अप्रयोज्य
(4) Both (Rule of caution) and (Not applicable in India)/ सावधानी का नियम एवं भारतवर्ष में अप्रयोज्य दोनों

Ans [4]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

124. To which of the following does the Evidence Act apply ?/ निम्नलिखित में से किस पर साक्ष्य अधिनियम लागू होता है ?
(1) Non-judicial proceedings/ गैर-न्यायिक कार्यवाहियों
(2) Arbitration proceedings/ मध्यस्थम कार्यवाहियों
(3) Judicial proceedings/ न्यायिक कार्यवाहियों
(4) Affidavits/ शपथ-पत्र

Ans [3]

125. Which word has not been defined under Section-3 of the Indian Evidence Act ?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 3 में किस शब्द की परिभाषा नहीं दी है ?
(1) Court/ न्यायालय
(3) Document/दस्तावेज
(2) Fact/ तथ्य
(4) Confession/ संस्वीकृति

Ans [4]

126. What is an inscription on a metal plate or stone? / धातुपत्र या शिलालेख पर उत्कीर्ण लेख क्या है ?
(1) a concept/ एक संकल्पना
(2) a document/ एक दस्तावेज
(3) an opinion/ एक विचार
(4) a motive/ एक हेतु

Ans [2]

127. The Indian Evidence Act came into effect from/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम कब से प्रभावशील हुआ है ?
(1) October 1, 1972/1 अक्टूबर, 1972
(2) September 1, 1872/1 सितम्बर, 1872
(3) November 1, 1872/1 नवम्बर, 1872
(4) December 1, 1872/1 दिसम्बर, 1872

Ans [2]

128. Under which Section of the Indian Evidence Act, the conduct of the accused is relevant ?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत अभियुक्त का आचरण सुसंगत है ?
(1) Section - 8
(2) Section-10
(3) Section - 11
(4) Section - 12

Ans [1]

129. The question is, whether A was ravished and thereafter murdered. The fact, without making a complaint, she said that she had been ravished / प्रश्न यह है कि क्या 'अ' के साथ बलात्संग किया गया है, और उसकी हत्या कर दी गयी ? यह तथ्य उसने परिवाद किये बिना कहा कि मेरे साथ बलात्संग किया गया ।
(1) is relevant as a conduct. /यह आचरण के रूप में सुसंगत है ।
(2) is relevant as a substantive /यह सारवान् साक्ष्य के रूप में सुसंगत है ।
(3) is relevant as a secondary /यह द्वितीय साक्ष्य के रूप में सुसंगत है ।
(4) it may be relevant under Sec.-32(1) or Sec. - 157 of the Evidence Act / यह धारा 32 (1) के अधीन मृत्युकालिक कथन या धारा 157 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत सुसंगत है ।

Ans [4]

130. Which Section of the Indian Evidence Act relates to identification of the accused person ?/ अभियुक्त की पहचान से सम्बन्धित प्रावधान भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में है ?
(1) Section - 9
(2) Section 6
(3) Section-8
(4) Section 11

Ans [1]

131. The question is whether on 11-01-2019 'A' committed a crime of murder at Jaipur. Whereas, factually it has been proved that at the time and day of occurrence 'A' was at Shimla. It is a relevant fact, because /प्रश्न यह है कि दिनांक 11-01-2019 को 'क' ने जयपुर में हत्या का अपराध कारित किया । जबकि अभियुक्त द्वारा साबित तथ्य है कि 'क' घटना वाले समय और दिनांक को शिमला में था । यह तथ्य सुसंगत है क्योंकि
(1) by the nature of transaction explanation of the relevant fact is revealed/ संव्यवहार की प्रकृति से सुसंगत तथ्यों का स्पष्टीकरण प्राप्त होता है ।
(2) it reveals subsequent conduct of the accused. अभियुक्त का पश्चातवर्ती आचरण प्रकट होता है ।
(3) the act of the accused was intentional and not an accidental act. /अभियुक्त का कृत्य साशय था, न कि आकस्मिक कृत्य । ।
(4) plea of alibi of the accused. /अभियुक्त द्वारा अन्यत्र उपस्थित होने का अभिवाक् है ।

Ans [4]

132. Facts which, though not in issue, are so connected with a fact in issue as to form part of the same transaction, are relevant under which Section of the Indian Evidence Act? /ऐसे तथ्य जो विवाद्यक तथ्य न होते हुए भी किसी विवाद्यक तथ्य से इस प्रकार जुड़े हैं कि वे एक ही संव्यवहार के हिस्से हैं, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत सुसंगत है ?
(1) Section – 5
(2) Section-6
(3) Section - 7
(4) Section - 8

Ans [2]

133. Which Section of the Indian Evidence Act enables the court to determine the amount of damages? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की कौन सी धारा न्यायालय को क्षतिपूर्ति निर्धारित करने हेतु सक्षम बनाती है ?

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(1) Section - 11
(2) Section 12
(3) Section 10
(4) Section - 9

Ans [2]

134. Which Section of the Indian Evidence Act provides rules regarding relevant facts when the right or custom is in question ?/ जब अधिकार या प्रथा का प्रश्न हो तब भारतीय साक्ष्य अधिनियम की कौन सी धारा सुसंगत तथ्यों के बारे में नियम बताती है ?

(1) Section-14
(3) Section 13
(2) Section-15
(4) Section-12

Ans [3]

135. A is accused of defaming B by publishing an imputation intended to harm the reputation of B. The fact of previous publication by A respecting B, showing ill will on A's part towards 'B' is relevant, because/'क' पर 'ख' की प्रतिष्ठा को अपहानि करने के आशय से एक लांछन प्रकाशित करके 'ख' की मानहानि करने का अभियोग है । 'क' ने पूर्व में भी इस प्रकार के लांछन 'ख' के बारे में प्रकाशित किये थे जो 'क' की तरफ से 'ख' के लिए वैमनस्य दर्शाता है । यह तथ्य सुसंगत है क्योंकि

(1) it proves the preparation of harming A's reputation./ यह सिद्ध करता है कि 'क' की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की तैयारी है ।
(2) it is necessary to explain fact in issue./ यह विवादित तथ्यों की व्याख्या करना आवश्यक है
(3) it proves intention to harm B's reputation. /'ख' की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने का आशय सिद्ध करता है।
(4) it is the effect of relevant fact/ यह सुसंगत तथ्य का प्रभाव है ।

Ans [3]

136. Facts showing existence of any state of mind, or showing the existence of any state of body or bodily feeling are relevant under which Section of Indian Evidence Act ? / मन की कोई दशा दर्शित करने वाले तथ्य, या शरीर की कोई दशा दर्शित करने वाले तथ्य, अथवा शारीरिक संवेदना दर्शित करने वाले तथ्य, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत सुसंगत हैं ?

(1) Section- 12
(3) Section- 15
(2) Section- 14
(4) Section- 16 **Ans [2]**

137. Which Section of the Indian Evidence Act provided provisions relating to conspiracy?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में षड़यन्त्र से सम्बन्धित प्रावधान दिये गये हैं ?

(1) Section-10
(2) Section-11
(3) Section-12
(4) Section-13 **Ans [1]**

138. Which Section of Indian Evidence Act has been amended in 2000, for admissions of electronic records? / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में सन् 2000 में इलेक्ट्रोनिक रिकार्ड की स्वीकृति के लिए संशोधन किया गया है ?

(1) Section-22 A
(2) Section-51
(3) Section–46
(4) Section-107 **Ans [1]**

139. When a person makes an admission upon a condition that evidence of it shall not be given, it cannot be proved against him. This is laid down in / जब एक व्यक्ति एक शर्त पर स्वीकृति देता है कि इसका साक्ष्य नहीं दिया जायेगा, इसको उसके विरुद्ध सिद्ध नहीं किया जा सकता। यह निर्धारित है

(1) Section - 21
(2) Section - 22
(3) Section - 23
(4) Section - 24

Ans [3]

140. A confession caused by an inducement, threat or promise is irrelevant, under which Section of the Indian Evidence Act?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत उत्प्रेरण, धमकी या वचन द्वारा की गई संस्वीकृति विसंगत है

(1) Section - 23
(2) Section - 24
(3) Section - 25
(4) Section - 26

Ans [2]

141. In which state a confession may be proved ?/ किस अवस्था में संस्वीकृति सिद्ध की जा सकती है ?

(1) If the confession is made before a police officer/ यदि यह संस्वीकृति पुलिस ऑफिसर के समक्ष की जाती है
(2) If the confession is made due to pressure of police, before a Magistrate/ यदि यह संस्वीकृति पुलिस के दबाव में, मजिस्ट्रेट के समक्ष की जाती है
(3) If the confession is made. voluntary before a Magistrate/ यदि यह संस्वीकृति स्वेच्छापूर्वक मजिस्ट्रेट के समक्ष की जाती है ।
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं ।

Ans [3]

142. Which of the following statement is correct ?/ निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ?

(1) Admissions could be oral only./ स्वीकृति केवल मौखिक हो सकती है
(2) Admissions documentary only./ स्वीकृति केवल दस्तावेजी हो सकती है

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(3) Admissions could be oral or could be documentary/ स्वीकृति मौखिक या दस्तावेजी हो सकती है ।
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [3]

143. Under which Section of the Indian Evidence Act, confession of co-accused is admissible ?/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत सह- अपराधी की संस्वीकृति ग्राह्य है ?
(1) Section-28
(2) Section - 29
(3) Section - 30
(4) Section - 31

Ans [3]

144. 'A' an injured person went to police station himself and lodged the First Information Report (F.I.R.) at the police station. Thereafter 'A' died due to injuries recorded in the first information report. Which is dying declaration under these facts and circumstances ? 'क' एक घायल व्यक्ति स्वयं थाने गया और प्रथम सूचना रिपोर्ट थाने में लिखायी । तदुपरांत 'क' की मृत्यु उन्हीं सूचना रिपोर्ट में अंकित चोटों के कारण हो गयी । इन तथ्यों और परिस्थितियों में कौन सी मृत्युकालीन घोषणा है ?
(1) First information report is admissible in evidence only when it is being corroborated by other evidence. /प्रथम सूचना रिपोर्ट की सम्पुष्टि अन्य साक्ष्य से होने पर ही यह रिपोर्ट साक्ष्य में ग्राह्य होगी ।
(2) First information report is itself a dying declaration. / प्रथम सूचना रिपोर्ट स्वयं ही मृत्युकालीन घोषणा है
(3) First information report can never be a dying declaration. /प्रथम सूचना रिपोर्ट स्वयं कभी भी मृत्युकालीन घोषणा नहीं हो सकती ।
(4) Depend on the discretion of the /केवल न्यायालय के विवेक पर निर्भर है ।

Ans [2]

145. In which of the following cases, the opinion of experts is not relevant?/ निम्नलिखित में से किन मामलों में विशेषज्ञों की राय सुसंगत नहीं है ?
(1) A point of foreign law./ विदेशी विधि का कोई बिन्दु
(2) Matters of Science or questions of art/ विज्ञान या कला का प्रश्न
(3) Handwritings or finger impressions / हस्तलेख या अंगुली चिह्नों
(4) A point of Indian law/ भारतीय विधि का बिन्दु

Ans [4]

146. When a confession otherwise relevant, will become irrelevant?/ कब एक अन्यथा सुसंगत संस्वीकृति, विसंगत हो जायेगी ?
(1) Made to a police officer/ पुलिस ऑफिसर को की गयी हो ।
(2) Made under promise of secrecy/ गुप्त रखने के वचन के अधीन की गयी हो ।
(3) When the accused was drunk/ उस समय की गई हो, जब अभियुक्त नशे में हो ।
(4) In consequence of a deception practised on the accused./ अभियुक्त से की गयी प्रवंचना के परिणामस्वरूप प्राप्त की गयी हो ।

Ans [1]

147. In criminal cases, under which Section of the Indian Evidence Act, the previous good character of the accused is relevant? /आपराधिक मामलों में, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा के अन्तर्गत, अभियुक्त का पूर्व का अच्छा चरित्र सुसंगत है ?
(1) Section 51
(2) Section - 52
(3) Section - 53
(4) Section - 54

Ans [3]

148. According to Section-60 of the Indian Evidence Act, the oral evidence must be direct, except :/ भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 60 के अनुसार, मौखिक साक्ष्य प्रत्यक्ष होना चाहिए, सिवाय :
(1) Statements of experts in treatises/ विशेषज्ञों के पुस्तकों में दिये गये कथन
(2) Hearsay evidence/ अनुश्रुत साक्ष्य
(3) Admissions/ स्वीकृतियां
(4) All of these/ ये सभी

Ans [1]

149. A witness who is unable to speak gives his evidence in writing in open court. Such type of evidence is known as/ एक साक्षी जो बोलने में असमर्थ है, खुले न्यायालय में लिखकर देता है, इस प्रकार दिया गया साक्ष्य समझा जायेगा :
(1) Oral evidence/ मौखिक साक्ष्य
(2) Secondary evidence/ द्वितीयक साक्ष्य
(3) Primary evidence/ प्राथमिक साक्ष्य
(4) Documentary evidence/ अभिलेखीय साक्ष्य

Ans [1]

150. Under Section-47A of the Indian Evidence Act, disputed electronic signature of any person can be proved / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 47 क के अन्तर्गत किसी व्यक्ति के विवादित इलेक्ट्रोनिक हस्ताक्षर सिद्ध किये जा सकते हैं:
(1) by opinion of expert. /विशेषज्ञ के मत द्वारा ।
(2) opinion of the certifying authority who has issued the Electronic Signature Certificate. / प्रमाणित करने वाले अधिकारी द्वारा जिसने इलेक्ट्रोनिक हस्ताक्षर का प्रमाण-पत्र दिया है ।
(3) comparison of the electronic signature by the court itself. / न्यायालय द्वारा स्वयं इलेक्ट्रोनिक हस्ताक्षर का मिलान करके ।

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(4) All of these. /ये सभी

Ans [2]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs

Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)